# विषय सूची


प्राक्कथन i-iv

भूमिका भारतीय इतिहास मीमांसा गोविन्दचन्द्र पाण्डे xv-xx

अध्याय-1

**अट्ठारहवीं शती के पूर्वार्द्ध का भारत** 1-15

ले. शिवकुमार गुप्त तथा तारांकित सुरेशचन्द्र द्वारा

मुगल साम्राज्य का पतन 1

हैदराबाद और कर्नाटक राज्यों का उदय 2

बंगाल की रियासत 3

अवध का राज्य 4

मराठा शक्ति 6

मराठा मुगल संधि 7

पानीपत का तीसरा युद्ध* 10

राजनीति में धर्म का प्रयोग 11

व्यापारिक कम्पनियों का राजनीतिक प्रसार 13

अध्याय-2

**विदेशी कम्पनियों का प्रभाव-विस्तार** 16-26

(अंग्रेज फ्रान्सीसी युद्ध)

ले. अब्दुल मुजीब खां

पृष्ठभूमि 16

प्रथम आंग्ल-फ्रान्सीसी युद्ध (1744-48) 17

युद्ध का महत्त्व 19

द्वितीय आंग्ल-फ्रान्सीसी युद्ध (1748-54) 20

तृतीय आंग्ल-फ्रान्सीसी युद्ध 22

वान्डेवाश का युद्ध (1760) 23

फ्रान्सीसियों के असफलता के कारण 24

फ्रान्स की यूरोप में पराजय 24

नौसेना की निर्बलता 24

आर्थिक निर्बलता 25

सरकार की दोषपूर्ण नीति 25
सैनिक स्थलों का अभाव 25
अधिकारियों में संगठन का अभाव 26

अध्याय-3

**भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना : बंगाल विजय** 27-53
ले. एम. एस. जैन तथा एल. पी. माथुर
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 27
बंगाल में अंग्रेजों का हस्तक्षेप और विजय 28
कालकोठरी की घटना 30
अलीनगर की संधि 30
बंगाल में अंग्रेजों द्वारा फ्रान्सीसी विजय 31
सिराजुद्दौला के विरुद्ध मीरजाफर से षड्यन्त्र 32
प्लासी का युद्ध 33
नवाब की पराजय के कारण 34
युद्ध का महत्त्व और परिणाम 35
बंगाल की दशा (1757-1765) 38
मीरजाफर के साथ अंग्रेजों का दुर्व्यवहार 38
मीरकासिम के अंग्रेजों से सम्बन्ध 42
बक्सर का युद्ध 45
मीरकासिम और आंग्ल संघर्ष 46
बंगाल पर अंग्रेज आधिपत्य और इलाहाबाद की सन्धि 47
दोहरे शासन प्रबन्ध की स्थापना 47
दोहरे प्रबन्ध के दोष 49
मूल्यांकन 51
दीवानी का उत्तरदायित्व 51
भूमि व्यवस्था 52
व्यापार सम्बन्धी कार्य 52
अंग्रेजी साम्राज्य की स्थिति 52

अध्याय-4

**वारेन हेस्टिंग्स : आंग्ल शासन नीति की स्थापना** 54-70
ले. अब्दुल मुजीब खां
अंग्रेजों का विरोध 55
वारेन हेस्टिंग्स के प्रशासनिक सुधार 56

द्वैधशासन का अंत 56
राजस्व सुधार 57
न्यायिक सुधार 58
भारतीय शक्तियों के साथ वारेन हेस्टिंग्स के सम्बन्ध 60
अवध के साथ सम्बन्ध 61
रुहेला युद्ध 62
चेतसिंह के प्रति नीति 64
अवध की बेगमों से दुर्व्यवहार 65
नन्दकुमार को फाँसी 67

अध्याय-5

**मराठा शक्ति का पुनरुत्थान** 71-93
ले. बृजकिशोर तथा तारांकित सुरेशचन्द्र द्वारा

अंग्रेज विरोधी गुट का निर्माण 72
सालबाई की संधि 73
महादजी सिन्धिया की नीति 73
नाना फड़नवीस (1742-1800) 76
टीपू के विरुद्ध संघर्ष 77
माधवराव द्वितीय 78
नाना फड़नवीस का मूल्यांकन 79
मराठा राजनीति (1800-1802) 80
बसीन की संधि 81
सन्धि का महत्त्व 81
मराठा अंग्रेजों का दूसरा युद्ध* 82
अंग्रेजों के साथ अन्य संधियां 83
कार्नवालिस की नीति 84
मराठों के पतन के कारण 87

अध्याय-6

**अंग्रेज कूटनीति-मैसूर विजय** 94-102
ले. डी. एन. शुक्ल

हैदरअली 94
अंग्रेजों से संधि 95
अंग्रेजी सरकार तथा मैसूर की सीमाएँ 96

हैदरअली एवं फ्रान्सीसी 97
टीपू का उदय 98
अंग्रेजों से युद्ध-श्रीरंगपट्टम की संधि 99
चतुर्थ मैसूर युद्ध 100
टीपू सुल्तान का मूल्यांकन 102

अध्याय-7

**महाराजा रणजीतसिंह का उत्कर्ष** 103-117
ले. मोहनप्रकाश माथुर

जीवन परिचय 103
लाहौर पर अधिकार 103
मिसलदारों की नीति 104
अमृतसर की संधि-विजय यात्रा 105
रणजीतसिंह के अंग्रेजों से सम्बन्ध 105
त्रिदलीय संधि 109
रणजीतसिंह-प्रशासनिक व्यवस्था 110
केन्द्रीय सरकार 111
प्रान्तीय प्रशासन 111
वित्तीय प्रशासन 112
राजस्व प्रशासन 112
आय के साधन 113
न्याय व्यवस्था 113
सैनिक प्रशासन 114

अध्याय-8

**सिन्ध और पंजाब की विजय** 118-137
ले. प्रेमनारायण माथुर

सिन्ध के साथ अंग्रेजों के सम्बन्ध (1758-1876) 119
बर्न्स की यात्रा 120
आंग्ल-सिन्ध संधि 122
सिन्ध का अंग्रेजी साम्राज्य में विलय 122
एलनबरो व सिन्ध 124
सिन्ध के विलीनीकरण का औचित्य 129
सिन्ध विजय की आलोचना 129
पंजाब की राजनीतिक अवस्था 132
सिक्खों का संगठन 133

पंजाब के अस्तित्व का प्रश्न 133
द्वितीय आंग्ल सिक्ख युद्ध 133
छतरसिंह का विद्रोह 135
युद्ध के परिणाम 136

अध्याय-9

**उत्तरी सीमान्त नीति** 138-149
ले. सीताराम सिंह

तिब्बत के साथ अंग्रेज सम्बन्धों का लक्ष्य 138
आंग्ल नेपाल सम्बन्धों की स्थिति 139
पिन्डारी तथा नेपाल समस्या का निदान 140
आंग्ल बर्मा युद्ध 141
डलहौजी के समय की घटनाएँ 142
द्वितीय आंग्ल बर्मा युद्ध 143
उत्तरी सीमान्त नीति का उद्देश्य 144
सिक्किम के साथ सम्बन्ध 149

अध्याय-10

**आंग्ल-नेपाल सम्बन्ध** 150-161
ले. अब्दुल मुजीब खां

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 150
आंग्ल-नेपाल युद्ध 151
आंग्ल-नेपाल युद्ध के कारण 151
साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा 151
शीतल प्रदेशों का आकर्षण 152
युद्ध का तात्कालिक कारण 152
युद्ध का विवरण 153
सिगौली की संधि 155
युद्ध का महत्त्व 155
पिन्डारियों की समस्या 156
पठानों की समस्या 157
पिन्डारियों के विरुद्ध अभियान 159

अध्याय-11

**भारत में ब्रिटिश प्रशासन का स्वरूप** 162-187
ले. डी. एन. शुक्ल

कम्पनी प्रशासन (1772-1823) 162
ब्रिटिश शासन का नियन्त्रण 162

केन्द्रीय प्रशासन 163
प्रान्तीय प्रशासन 165
राजस्व प्रशासन 167
भू-राजस्व नीति 167
बंगाल महाप्रदेश 167
प्रदत्त तथा पराक्रमित क्षेत्र 169
भू-राजस्व प्रशासन 169
न्याय प्रशासन 170
पुलिस प्रशासन 172
कम्पनी प्रशासन में परिवर्तन 174
बंगाल महाप्रदेशीय प्रशासन 177
मद्रास महाप्रदेशीय प्रशासन 179
बम्बई महाप्रदेशीय प्रशासन 180
उत्तरी पश्चिमी क्षेत्रों का प्रशासन 183
कम्पनी प्रशासकीय सेना का विकास 185

अध्याय-12

**भारतीय राज्य और ब्रिटिश नीति** 188-204
ले. बृजकिशोर

रिंगफेन्स नीति 188
क्लाइव की कूटनीति 189
वारेन हेस्टिंग्स की समस्या 190
कम्पनी के कार्यों में इंग्लैण्ड सरकार का हस्तक्षेप 192
मैसूर से सम्बन्ध 192
कर्नाटक से सम्बन्ध 194
कार्नवालिस की तटस्थता की नीति 196
वेलेजली की कम्पनी की सर्वोच्चता नीति 197
वेलेजली के शासन का प्रभाव 201
देशी राज्यों से सम्बन्ध का संक्षेप 202

अध्याय-13

**बौद्धिक चेतना का उदय -ब्रह्म समाज** 205-217
ले. मथुरालाल शर्मा

ब्रह्म समाज का उदय 205
ब्रह्म समाज के उदय के पूर्व भारत बौद्धिक चेतना 205
अंग्रेजी राज्य की स्थापना 205
ईसाई धर्म का प्रचार 206

पुर्तगाली एवं ईसाई मत 209
अंग्रेज और ईसाई मत 209
अंग्रेजों द्वारा ईसाई मत का प्रचार 209
सरकार के शिक्षा प्रयत्न 212
भारत की खोज 212
राजा राममोहन राय 213
जीवन वृत्त 213
ब्रह्मसमाज की स्थापना 215
अंग्रेजी प्रभाव 215
राममोहन राय के बाद का ब्रह्मसमाज 216

अध्याय-14

**अंग्रेजों की समाज सुधार नीति** 218-237
ले. विजयकुमार वशिष्ठ

समाजसुधार नीति की पृष्ठभूमि 218
सामाजिक कानून और भारतीय प्रतिक्रिया 220
कन्या वध 221
दास प्रथा 222
कास्ट डिसिबिल्टीज़ रिमूवल एक्ट 223
सती प्रथा 224
विधवा पुनर्विवाह कानून 227
बाल विवाह-न्यूनतम अवस्था बिल 232
मालबारी का प्रस्ताव 232
विरोधियों की प्रतिक्रिया 234
सुधारवादियों का दृष्टिकोण 235
धर्मशास्त्रों पर विवाद 235
न्यूनतम अवस्था बिल (1891) 236

अध्याय-15

**मध्य वर्ग का उदय** 238-253
ले. बी. एन. दत्ता

मध्यकाल में मध्यम वर्गों के अभाव के कारण 238
नई भूमि व्यवस्था-मध्य वर्ग का उदय 239
नगरों में मध्य वर्गों का उदय 245
औद्योगिक क्षेत्र में मध्य वर्ग 248
शिक्षित मध्य वर्ग 250

अध्याय-16

**शिक्षा का विकास** 254-280
ले. गोपीचन्द शर्मा

ईसाई मिशनरियों के शैक्षणिक कार्य 255
पुर्तगाली 255
डच 256
फ्रान्सीसी 257
डेन 257
ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शैक्षणिक कार्य 257
कम्पनी की शिक्षा नीति में परिवर्तन 258
उन्नीसवीं सदी के प्रारम्भ में देशी शिक्षा 259
कम्पनी के प्रारम्भिक शिक्षा कार्य 264
भारतीय शिक्षा को मैकाले की देन 266
भारत में शिक्षा का विकास (1813-1853) 267
शिक्षा के क्षेत्र में निजी प्रयास (1854 तक) 270
राजा राममोहन राय 270
डेविड हेयर 271
जे. इ. डी. बेथ्यून 271
प्रोफेसर पैट्टन 271
जगन्नाथ शंकर सेत 271
महात्मा फूले 272
शिक्षा की नई नीति (1854) 272
बुड के घोषणा पत्र का क्रियान्वन 274
विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षा 275
माध्यमिक शिक्षा 275
प्राथमिक शिक्षा 276
स्त्री शिक्षा 276
तकनीकी शिक्षा 278
शिक्षा विभाग की स्थापना 279

अध्याय-17

**पुनर्जागरण युग-साहित्यिक चेतना** 281-295
ले. सुरेशचन्द्र

पुनर्जागरण के कारण 281
बंगला साहित्य 282
हिन्दी साहित्य 287

अध्याय-18

**1857 की क्रान्ति** 296-328

ले. उमेशचन्द्र चतुर्वेदी

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-विद्रोहों का प्रारम्भ 296

नई शासन प्रणाली के विरुद्ध विद्रोह 300

जनजातियों के विद्रोह 302

सामान्य असन्तोष के कारण 305

उग्र जन आन्दोलन 305

1857 के विद्रोह के कारण 307

धार्मिक कारण 308

अधिकारियों का सहानुभूति विहीन व्यवहार 309

मेरठ और अलीगढ़ की घटनाएँ 310

सिपाहियों द्वारा कम्पनी सरकार की निन्दा 311

तलमीज खालदून का मत 312